



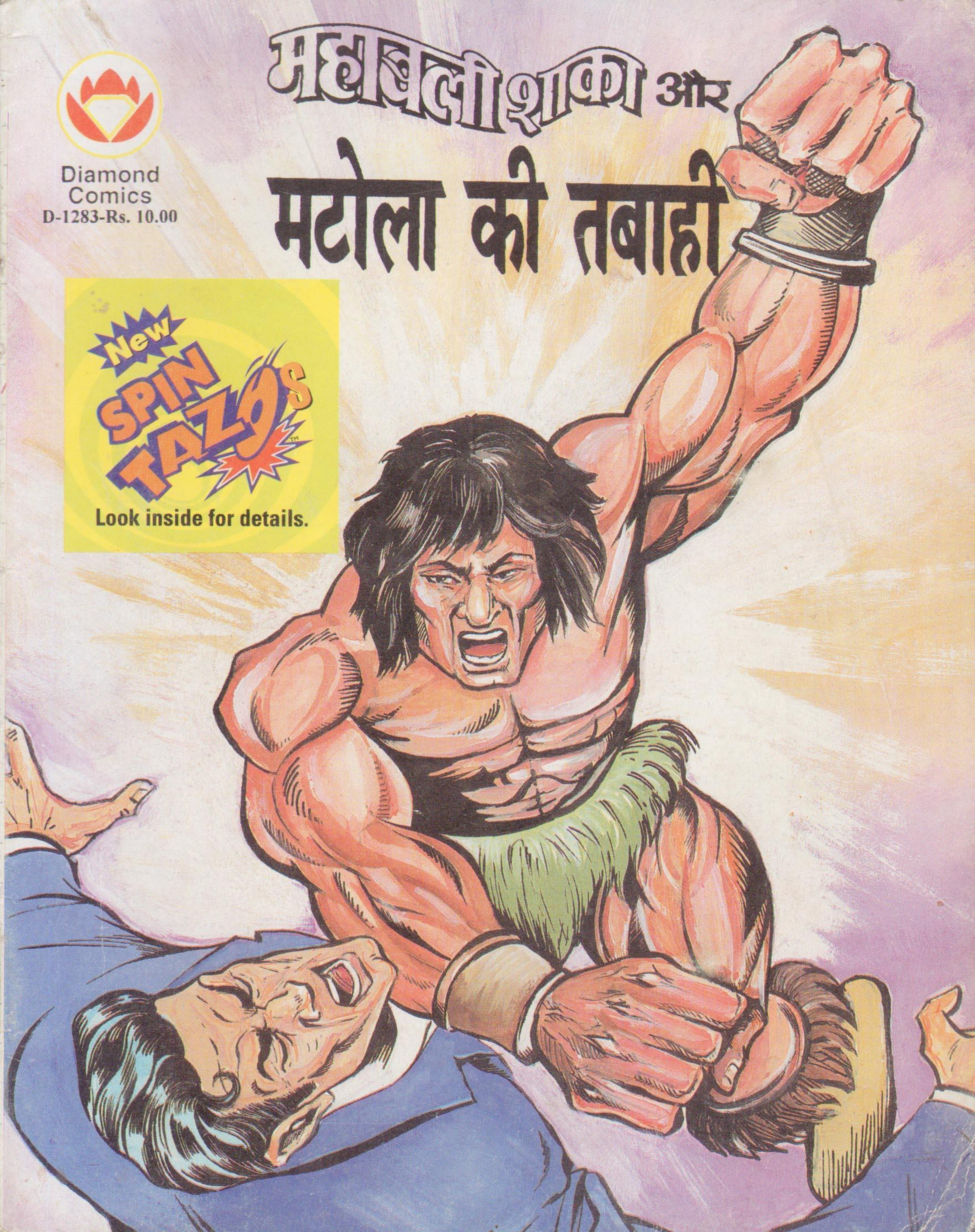
Diamond
Comics
D-1283-Rs. 10.00

महाबली शक्ति और

मटोला की तबाही

New
SPIN
TAZOS

Look inside for details.



मधुपिलीशक्ति और

मदोला की तबाही



सम्पादक: गुलशन राय
 सह सम्पादक: संजय सिन्हा
 कथानक: महेशदत्त शर्मा
 चित्रांकन: सोहन भार्गव

मोजन की तलाश में निकला डकोरा कबीले का शिकारी पेन्थर - ;



लेकिन इससे पहले कि पेन्थर लिबलिबी दबा पाता...
 ... एक कौर ने शिकार को आगाह कर दिया—



उफ!
 भाग गया!

शिकारी!
 भाग ले
 पुत्तर!

दूसरा
 शिकार रवोजना
 होगा।

पेन्थर ज्योंही पीछे घूमा—

गेंडा!
य... ये तो मुझ पर
झपटने को है।



फिर इससे पहले कि पेन्थर संभल पाता...

... गेंडे ने जा ठोका अपना इकलौता सींग उसकी पीठ में—



चाहकर भी संभल नहीं सका पेन्थर...

गहरी खाई में गिरता चला गया वो—



ओह!
बचना
मुश्किल है!

दलदली जमीन में गिरने
से बच तो गया वो लेकिन
बेहोश होने से नहीं बचा।



आंख खुलने पर—

आहा!
मैं जिन्दा हूँ।

ले...
लेकिन ये कौन हैं?

अब तक नजदीक आ पहुंचे थे अजनबी—

रे,
कौन हो तुम?

यहां क्या कर रहे हो?

सुनकर—

हुम्म! मैं ज्योफ हूँ और ये है मेरा साथी ब्रेन्डो!

अपना परिचय दिया पैन्थर ने—

मटोला! वह तो काफी सम्पन्न और आधुनिक कबीला है।



मटोला कबीले के प्राणी हैं हम!



हां! आओ, तुम्हें डकोरा तक हम पहुंचा देते हैं।

धन्यवाद!
चलिरु!

अगले पल फ्लाईंग डिस्क पर सवार होकर चल पड़े तीनों—

वाह!
कमाल का उड़न
खटोला है।



जल्दी ही—

यही है
मेरा कबीला
उकोरा!

ओं के०
उतरते हैं।



नीचे—

पेन्थर!
य... ये किसे ले
आये तुम?

मेरे मददगार
हैं ये! इन्होंने ही
मुझे यहां सुरक्षित
पहुंचाया है।



चीत्कार कर उठा डकोरा कबीले का सरदार डंगारू —

हमारे कानून के मुताबिक
यहां बाहरी लोगों का प्रवेश वर्जित
है।



रक्म कर दो
इन्हें!

अगले पल आग उगलने लगी डकोरा के प्रहरियों की गनें—



जबकि ज्योफ भागने में सफल रहा—

मारो उसे



सरदार! रेंज
से बाहर हैं वो!

ब्रेन्डो मारा गया।



और अब पेन्थर पर बरस रहा था डंगारू —

तुमने कबीले
का कानून तोड़ा है
पेन्थर, तुम्हें
कबीले से
निकाला जाता
है।



स...
सरदार!

मजबूरी थी, पेन्थर को जाना पड़ा।

उसी रात मटोला वासियों ने हमला कर दिया डकोरा कबीले पर—



संभलने तक का अवसर नहीं मिला डकोरा के प्रहरियों को।

पास ही एक पेड़ पर सोये पेन्थर की नींद खुल गई शोर सुनकर—



मुझे उनकी मदद करनी होगी... मेरे ही कारण हो रहा है ये सब।

अगले ही पल तूफानी गति से दौड़ पड़ा पेन्थर डकोरा की ओर—

लेकिन वो पहुंचा, तब तक देर हो चुकी थी।

उफ! सब मारे
गये!



ठीक इसी वक्त डंगारू की
आवाज सुन पलटा पेन्थर-

पेन्थर! आह!
यहां आओ पेन्थर!

स...
सरदार!



फुर्ती से डंगारू के समीप पहुंचा पेन्थर—
टूटती आवाज में बोला सरदार डंगारू—

फिर सदा के लिये आंखें बुझ गईं
डंगारू की।

प...पेन्थर! मेरे दोस्त
महाबली शाका तक ये खबर
पहुंचा देना!

वो हमारा
बदला लेगा!
ब...द...ला...



खबर पहुंची महाबली तक—

आह! मेरा
अजीज दोस्त
मारा गया।



दर्द का सैलाब क्रोध बनकर उफनने लगा शाका के नेत्रों में—

बला की फुर्ती से तूफान पर जा सवार हुआ महाबली—



जंगल कानून के मुताबिक रवून का बदला रवून मिलेगा मटोला वासियों को।



चल तूफान...

हमें मटोला पहुंचना है!

ठीक इसी वक्त मटोला में अपनी विशेष गुप्तचर इलिया को आदेश दे रहा था ज्योफ।



इलिया! रवबर मिली है, शाका इस ओर आ रहा है।

रवत्म कर दो उसे, जाओ!

जी... श्रीमान!

जल्दी ही शाका को जा घेरा इलिया ने—

ओह! लगता है कोई 3000 मुसीबत में है

मदद मदद करो!





लेकिन शाका कुछ कर पाता उससे पूर्व ही प्रशिक्षित पक्षी आ पहुंचे—



शाका ने फुर्ती से रिवाल्वर निकालकर फायर झोंक दिया।



कई पक्षियों को भून डाला शाका ने - लेकिन -

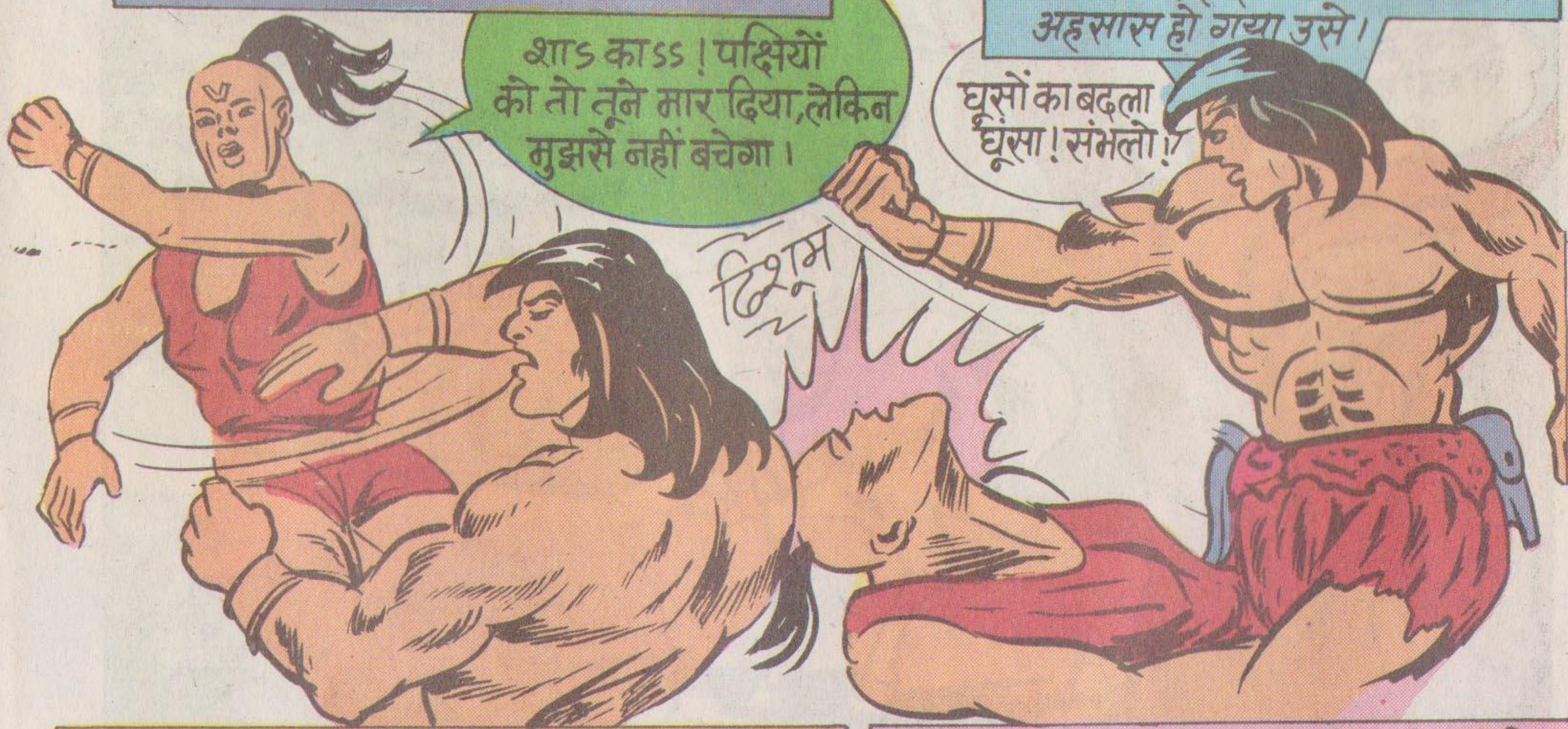
... रक के बाद रक पक्षी आते रहे -



अन्ततः सारे पक्षी मारे गये।

ठीक इसी वक्त शाका से जा भिड़ी इलिया -

लेकिन जल्दी ही अपनी गलती का अहसास हो गया उसे।



शाका की असावधानी का भरपूर लाभ उठाया इलिया ने।

शाका का फौलादी घुंसा टकराया उसकी गुद्दी से।

फिर खिलौने की तरह इलिया को उछाल दिया शाका ने—

तुझे हाथ से नहीं मारेगा शाका!



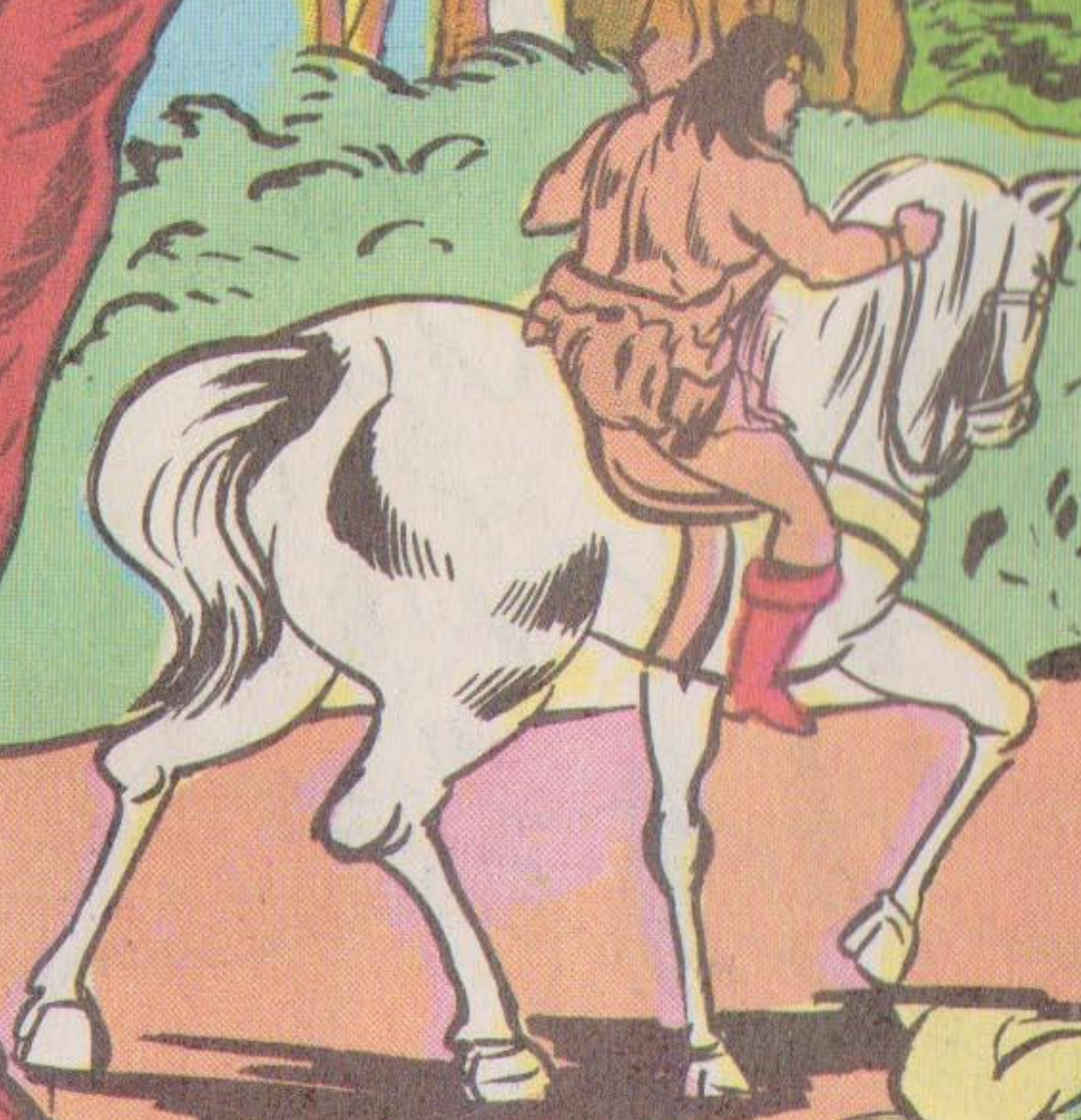
... अपने हथियार से मारेगा।

जमीन पर गिरकर चीथड़े में बंट गयी इलिया—

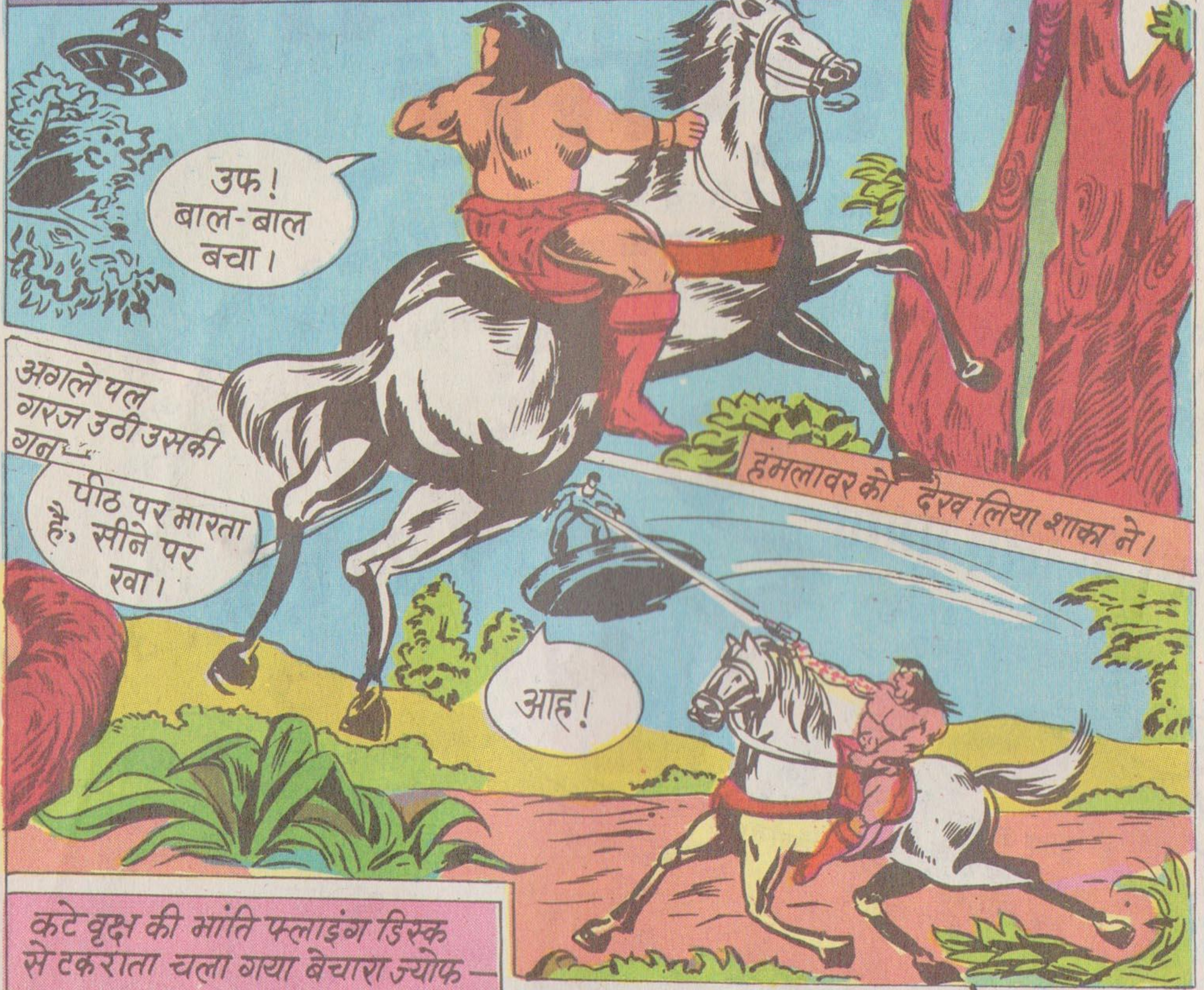
अगले पल शाका फिर चल पड़ा मटोला की ओर—

सामने ही नजर आ रहा है मटोला कबीला।

ज्योफ के वार से नहीं बचेगा तू।



लेकिन स्नेहवत्क पर खतरे का अहसास हो गया उसे! फुर्ती से पलटा वो—



शाका आ पहुंचा था मटोला—



तूफान बेटे!
तुम यहीं रुको, हम
दुश्मनों को ठिकाने
लगाकर आते
हैं।

शाका धंसता चला गया गुप्त इमास्त की ओर—



कोई
नहीं है।

लगता है,
मेरे डर से अपने-
अपने दड़बों में जा
दुबकें हैं कायर।

ठीक इसी वक्त—



ठहरो!

वरना मौत
मिलेगी।

लेकिन तब तक दोनों ओर से घिर चुका था वो—



आर्थन!
शूट कर दो इसे!
बहुत खतरनाक
है ये शरब्स!

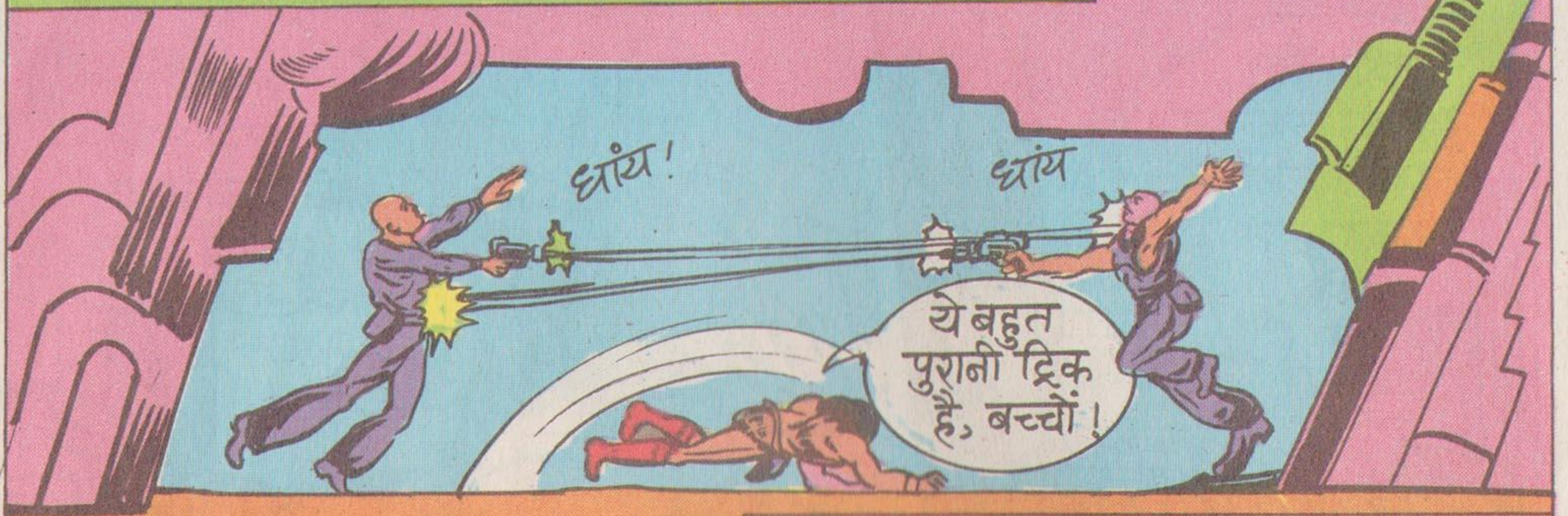
???

साइड
गार्नर!

स्वर सुनकर फुर्ती से पीछे पलटा
शाका।

गोलियां चलीं। लेकिन...

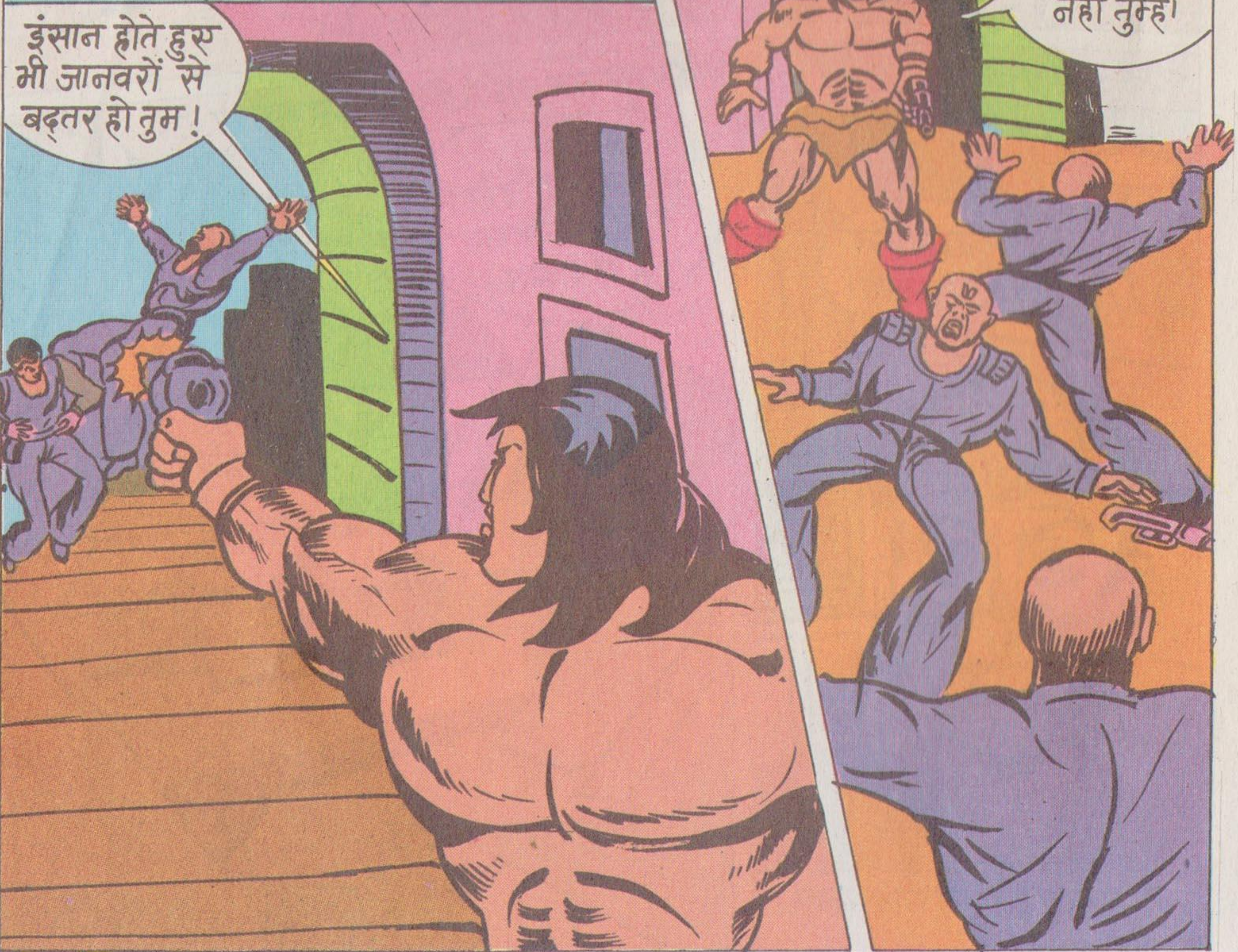
... शाका की फुर्ती के आगे गोलियों की एक न चली—



गोलियों की आवाज सुनकर सैनिकों की...

... पूरी फौज आ गई, लेकिन किसी को भी संभलने का अवसर नहीं मिला शाका की फुर्ती के आगे।

इंसान होते हुए भी जानवरों से बदतर हो तुम!



सैकड़ों मटोलावासी मारे जाये। बचे-रबुचे चीत्कार करने लगे-

मत
मारो हमें।

हम
आत्मसमर्पण
करते हैं।

हुम्म! आज से पत्थर
तुम्हारा सरदार होगा। और
कोसिमा के कानून लागू
होंगे मटोला कबीले में!
समझे!

समझ
गये।



जान बचने की खुशी में हर्षनाद कर उठे मटोलावासी—



शाका पुनः आ पहुंचा कोसिमा में—





लेकिन मेरे ही कारण ये रबून-रबराबा हुआ, महाबली! और मेरे ही कारण मेरी जातिके लोग समाप्त हुए।



हां, सब जानता हूं मैं!

इसलिए तुम्हें मटोला का सरदार नियुक्त किया है, ताकि तुम अपनी जाति का विस्तार कर सको।

ओह!

फिर कोई प्रतिशोध नहीं कर सका पेन्थर।

चुपचाप मटोला की ओर चल पड़ा वो —

मेरी शुभकामनाएं तुम्हारे साथ हैं, पेन्थर!



धन्यवाद, महाबली!

शाका उसे तब तक देखता रहा, जब तक कि वो नजरों से ओझल न हो गया।

Presented by [@sdch_club](#)

Join us on telegram

t.me/comics_hindi

t.me/raj_comics_unofficial

t.me/tvseries_4u

t.me/video_short

t.me/joinchat/HOrD4ojPhi9YCoZU

t.me/joinchat/AAAAAFQGITMkd8puJ1QKrw